PHYSICS

॥ह॥ॐहसंयसऊंरहमनामहिमास्तनीम॥ ॥ॐयंरहऊंकल्पं कहियं॥ ॥ॐय
संयऊंरसंसारमसुखभंजिनयि॥ नहमभगा॥हऊंकल्पनामरूंसावहूं॥ ॥ॐयं
ऊंकवर्णंयहूं॥ ॥ऊं॥ॐयंसाजाथि॥भंजिरूंरऊंरहमनामहिमासंकामहूं॥ ॥
ॐहसंयरूंश्रवण्यविऊंकीऊं॥ ॥सं॥नाग॥ऊंयंजी॥नाम॥ ॥ॐयंरऊं
वाधिसत्वभंजिनामवाधिसत्व॥रऊंकल्पनामवाधिसत्वनाम॥हादशानन्या
ऊंडीस्वरूं॥संसानसत्वऊंजानं॥नमश्रीबुद्धयाकवोन॥ ७ ॥ला॥ ॥ॐ
यंसाजाथीरूंमहानामंदिलमऊंकामहूं॥ ॥ॐहसंयरूंश्रवण्यविऊंकीऊं॥ ॥
थूंनिवाधिसत्वयाग॥ ॥३॥ ॥थनधनसनयाऊंपिका॥ ॥ऊंमकेन
यं॥ ॥ह्रिं॥ ॥सं॥नाग॥कोडि॥नाम॥वी॥ ॥ॐयंऊंनवला॥धनसं
ऊंजा॥रत्नीनानामऊंजानी॥चहर्सनमंत्रि॥ ॥४॥ला॥ ॥ॐयंह्रियंरत्नी
ना॥चहर्सनमंत्रि॥कलवंतिसखि॥वृद्धिदासकोटऊंजं॥यंदिनंगरूंमिऊंयिपरं
वेकीतनविश्रामकर्लहूं॥ ॥ॐहसंग्रहामहाऊंजाॐश्रवण्यविश्रामकीऊं॥
ना॥ॐयंह्रियंरसंसाकाॐहसंनिवाधिसत्वयाग॥ ॥ह्रिं॥ ॥ॐयंह्रियंऊंसा
रत्नीनामहानी॥ ॥ना॥ॐहंग्रहंगहामत्रीमहिमाहनीहं॥ ॥ॐयंह्रियं
यथार्थकहियं॥ ॥ह्रिं॥ॐहंग्रहंगॐरूंकाऊंमंदिलमविवेककार्यं
कुंवरूंनमश्रवाहरत्नीनामवानीहामहूं॥ ॥मं॥ॐहसंग्रहाऊंजाहसंग्रा
महिमाहनीय॥ ॥ॐयंमंत्रियथार्थकहियं॥ ॥सि॥ ॥ॐयंमहाऊंजा
ॐरूंकामलकमविवेककार्यंकुंवरूंनमश्रीला॥चहर्सनमंत्रिहामहूं॥ ॥ॐ
यंमंश्रवण्य॥ ॥स॥ॐयंग्रहंगहामत्रीमहिमाहनियं॥ ॥ॐयंत्रीयथार्थ
कहियं॥ ॥ॐयंग्रहंरूंॐरूंकामंदिलमसर्वकामकार्यंकुंवरूंनमश्रवाॐस
वमीनामहामहूं॥ ॥ॐयंत्रीश्रवण्य॥ ॥का॥ॐयंमहाऊंजाहसंग्रा
महिमाहनिहं॥ ॥ॐयंकाटऊंजंकहियं॥ ॥ॐहसंमहारूंॐरूंकाऊंमं

विवेक·कल्पद्रुम·नाम·माला·वृद्धिदा·नाम·कोटश·नाम·हः ॥ ॥अथ कोट
अवस्थ॥ ॥ना॥अथ·ना·नं·स·का·अवधान·सप्तक·कल्पद्रुम·नाम·हः॥ ॥अ
हमहा× अवस्थ विश्रांकीज॥ ॥थनहुमरहासाल्ला का छोयमास॥
म॥ ॥ना॥ नाग·कथन·माल·चौ॥ ॥नृथानानिमुकुटि कोटश माल सहित
नं·सलापनिपात्र यायमाल॥ १ ॥विवेकविचार्यास्य सप्तदय कोठा चौ
न्य·अनिनिश्न्यालन श्रयमनलोकस्य नंयाहठ गत्रिवउधन॥ २
थमयानाधनमनथशास्त्रवल्ला कूश्न धनमविचारत्र यायमात्र॥ धनमयाता
त्रसंधनऊसनायिश्न·पनधनमनन स्यश्रयमनलोकस्य नंपनलोकनत्रक
सनायि॥ ३ ॥हास॥अथमहाराजाश्रिप्रविश्रांकीज॥ ॥अथपियानीला
कश्चवस्थ॥ ॥धनिधनत्रागयागर॥ ॥ गथनमहिन्द्रसनयाप्रवस॥
गमकुनय॥ ॥मात्र॥ ॐनमोनघनाथाय॥ शंखकुन्दसुधाराहंसिनउंचन्द्रा
वले·व्याघ्रचर्म्मावनधरंनघनाथंनमामि॥ ॥म ॥त्राग·कौशि·ताल·चौ॥
श्रीयत्रयनवेश महिन्द्रसनत्राजा·ग्यनवतिनामत्रानीमकटसनमंत्रि॥ १ ॥
हास्या ॥अथप्रियग्यनवती·मकटसनमंत्रि·दिव्यवति वस्तुसषकाप्रमल॥
यहिनंगलनिश्रायिपइंचकुंलनविश्रामकर्लहः॥ ॥अहमहाराजाश्रवस्थ
विश्रांकीज॥ ॥त्रि॥हास्या॥अथप्रियत्रानी·मेंस२का२हमत्रामहिमाहुनी
य॥ ॥अहमहाश्लोकीज॥ ॥अथप्रियत्रानी·मेंस·का·यहिकार्यसीकपू
त्रमसवइनियोपात्रे कल्पद्रुंनहुनमलामहिन्द्रसनत्रामत्राजाक्रामहः॥ ॥अहम
हाराजाश्रवस्थश्लो॥ ॥त्रानी॥अहंत्रानानाथ·हासत्रामहिमाहुनीय॥ ॥अ
थप्रियथथर्थकहिहः॥ ॥अहंप्रहाश्लोकामंदिरमविवेककल्पद्रुंनहुनम
ला·ग्यनवतीनामत्रानीहासत्रीहः॥ ॥अथप्रियश्रवस्थ॥ ॥म॥अहंमहा
राजहमत्रामहिमाहुनीय॥ ॥अथमंत्रियथार्थकहीहः॥ ॥अहंमहाश्लोकाम्
लकमविवेककल्पद्रुंनहुनमाला·मकटसनमंत्रिहासहः॥ ॥अथमंत्रिश्रवस्थ
॥ अहंमहाराजा हासत्रीमहिमाहुनीहः॥ ॥अथसचियथार्थकहिय॥ ॥अ

हुंमहावीरा स्वाहा ॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रूं ह्रः नमः सर्वकार्यकारिकूंवरहनुमंतायदेवबलीनामहामहः ॥
अथमंत्रिस्तवः ॥ ॥ ॐ ॥ अथमहावीरा हनुमानमहिमास्तुतिः ॥ ॥ अथकाटमं
त्रयथार्थकहिः ॥ ॥ अहंमहावीरा स्वाहा कासहनुमंतविरेककार्यकूंवरहनुमंतायलो
कसंघनामकाटमंतलहामहः ॥ ॥ अथकाटमंतस्तवः ॥ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं ह्रूं ह्रः नमः
यहिनाथवहः हनुमंतिखावजागहः ॥ ॥ अहंप्रहाः स्तवः अथविरेकीकः ॥ ॥
अथमंत्रिः कोटमंतः स्तवहानमिषानकवलकूंजागहः ॥ ॥ अहंमहावीरा स्तव
स्यविरेकीकः ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॐ ॥ ॥ वीरः कंदावः गजः यकमावः ॥ ॥ विनयकूंदालं
हलः दशादशाहिलाखयः ज्ञानस्थानंगमंत्रिः कोटमंतलसहितनः सिषानकिनत्रा
त्रः ॥ १ ॥ दक्षेप्रजाहूत्यहरया स्थमंगलेहरयाज्ञाधानः नूगलमक्षिस्यज्ञानः प्रजामद
आशः सिमनहडदासहलः ॥ २ ॥ लासा ॥ अथमंत्रिः कोटमंतः स्तवहानमिषानक
वलकूंजागहः ॥ ॥ अहंमहावीरा स्तवस्यविरेकीकः ॥ ॥ थनकूंवरहसहासालाकं
काय ॥ ॥ थनवानीपिंडस्तवाय ॥ ॥ थनमहिंदसनवाकांदृपिकाय ॥ वावा
विकंहकायाविघ्नमयकः ॥ ॥ लासा ॥ अथमंत्रिः कोटमंतः हानवाप्रजाकाहिं
गयाहः ॥ ॥ अहंमहाः धनसनवाकाकापासमसत्रनगयाहः ॥ ॥ अथमंत्रिः
स्तवकनकेसाकवनहः ॥ ॥ अहंमहावीराकनकूंवरकूंस्तवस्यहागमस्तीय
स्तवमंत्रियथार्थकहिः ॥ ॥ अहंमहाः धनसनवीरहनघूत्यमस्माहुंवाहाः
घूतनीवः नवाडमः हनमविडकनागहूतविधाः वहनस्तस्कथिधाः नसकानिमि
लुप्रजागयाहः ॥ ॥ अथमंत्रिः हनमविडकनागहामवाहूत्रकमेस्थाधिहागमकिन
हिहागमः ॥ ॥ अहंमहावीरा सनहसाधकवकारिकूंस्थाधिसकमः ॥ ॥ अथमंत्रिस्तव
स्यः ॥ ॥ अथमः कोः हनहानस्वस्कानमहानहः ॥ ॥ अहंः स्तवस्यविरेकीकः ॥ ॥
मः ॥ लाग धनाश्रीः गः चत्रिसाधिस्वस्कानमः हनवकत्रसहानः सवप्रजीस्थाधि
दानः हनकहायीवत्रः संनत्रिकाहूंमलश्रंसधूत्रिमहाधिवत्रः ॥ ॥ लासा
अथमंत्रिः कोः स्वस्कानमहानहः ॥ ॥ अहंमहाः स्तवस्यः ॥ ॥ थनकूंवरवत्रिस्थ
नकात्रानिधिनापवस्थः ॥ ॥ लागंलासा ॥ ॥ अथमंत्रिहमवाहूत्रकमः ॥ ॥
नेमलासाधमिस्थहनवकूंहाधिवत्रः ॥ ॥ अहंमहाः स्तवस्यः ॥ ॥

नागदमनीनाम कांडमूलसहितं ॥ अथ कांडगमनयंत्रचिह्नं ॥ अ
हमंत्रिअवश्य ॥ अहमंत्रिआकृ ॥ अथ कांडअधस्त्रिलोकवालनकृ
ष्णचित्र ॥ अहमंत्रिअवश्य ॥ का ॥ अथ वस्त्रिलोकमहाराजाक
लोकमस्तकनकआंखिहं ॥ अथनखस्त्रिलोकवाल ॥ मं ॥ नागा ॥ अथ वालचो
॥ खंअस्त्रिनमस्त्रिन ठानेनूथाठीजि महाराजायाआकाशलठाकमा
त्रथनि ॥ हमासनठानेमात्रथनि ॥ हासा ॥ अथमस्त्रिंकिजाठानेनृ
पतिजायाहोकनिश्चल ॥ अथत्वअस्त्रिंदाहअवश्यनथा ॥ अनक
दमलनापलोकं ॥ अथकाठमकाहस्त्रिंपिंजाठायधून ठथा ॥ अथस्त्रि
लोकराजहाजाआंखिचत्र ॥ अथकाटअदृश्य ॥ नाजायाअथ
ना ॥ अथमहाराजाषदगीलोकवालाथिल्यायाहं ॥ अथकाटअ
यहिआयीवेत्थहं ॥ अवश्य ॥ कसास्त्रिलोकंनमस्कानयाकरा अहं
महाराजाठथा ॥ कृआहं ॥ ॥ अथषदगीलोक हामत्रासूनकमस
धनकतनजासवालोकोनथियावोतनेकुजायीचत्र ॥ अथम
वश्य ॥ हासाजाअवश्य ॥ अथनाभिंकयकं ॥ अहं दशवासीलो
क साधनकुर्छकुंजानअलालोकोनथियादनवानपहुंचेन्नायीहं ॥ ॥
सुवर्छकामंदसहस्रगमहं ॥ ॥ नाभिंकाकधून ॥ अथकमस्त्रिंकायिआने
नूयाथआकं ॥ ॥ अवश्य ॥ अनसाधस्त्रिंपिंका ॥ मंत्रिनापला ॥ मं ॥
नाग वसक ॥ नाग ची ॥ ॥ अहमस्नानमंत्रयाकानमंठानमालत्रिन महाराजा
यांहाकमनेसाधनयायत्रिनं गनूयाआहाथआयमालथनि ॥ ॥ हासा ॥ अहं
मस्त्रिसुवर्छकासंदसभ्रवस्थदशमकीनादिदशम ॥ ॥ अथसाधकाचार्यअवश्यदश
हस्त्रिनापृथ्वकेनीचनआठमअहनशलाकअस्त्रिंकुनागल्यायीहं ॥ ॥ अहमस्त्रिंम
वश्य ॥ ॥ मं ॥ अथसाधकिंदसवाजआयिवत्र ॥ ॥ अथमस्त्रिंअवश्यवत्र ॥ ॥ अनवाजा
यांअश्वत्र ॥ ॥ मं ॥ अहमहाराजासाधकिंवालनस्यायाहं ॥ ॥ नो ॥ अथमस्त्रिंअव
श्यआवीहं ॥ ॥ अनअहिंपुंरकंमत्र ॥ ॥ अहमहाराजाआहूकावजनमअसलोगप्र
नाम ॥ आहाकीअ ॥ ॥ अथअहिंपुंरकसाधकिंअमत्रिंअकनागल्यायिहं ॥

अथसाधकावाचं हनुमत्कांकाक्षास्यंवाथम हनुमान्प्राणश्रीकादेवमकिनाहि हेम
यथार्थंकहिश ॥ ॥ हा ॥ अथव्याधम हनुमत्सदयाहीमम श्रीं क्रोंहूं ॥ ॥ अहंसाधकी
हनुमानमन्त्रपाणहृल्दयमहं प्रानत्रकाहामम ॥ ॥ अथव्याधम अवश्य ॥ ॥ थनसाध
किंस्वधानाश्रीय ॥ ॥ आ ॥ अथअनलाकसाधकिंगयाहं हामश्रीनतस
विश्रमनकीअं ॥ ॥ थननागमंत्र ॥ ॥ रात्रिकं व्याधमसावनाम ॥ ॥ अथव्या
धहमत्सदयाप्रानथिलहृाम अवहमत्पिनाकापाशमाशयहं ॥ ॥ अहंत्सा
गयुतहामनाकिंश्रियिहं ॥ ॥ अथव्याधमहमत्सदित्रमथियाश्रमाधपाश
दमालीअं ॥ ॥ अथनाग सवदमश्रीं ॥ ॥ अथव्याधसवदमहं ॥ ॥ थन
व्याधमपाशृलिकाहृयनं ॥ ॥ सर्वार्थसिद्धिनागयाधअनं ॥ ॥ अहंपीतासलं
गप्रनाम ॥ ॥ अथयुतहमात्राकाहांगयीश्राथिहं ॥ हमत्सासथीश्राउनअभ
लाकोनहं ॥ ॥ ॥ अहंपिनाहमत्सविनमिहनीयं ॥ ॥ अथयुतयथार्थकहिहं ॥
थंहरयमानाकत्र ॥ ॥ म ॥ नाग हाम ॥ नाम हमि ॥ ॥ पिंहीनमक्रियथनिह
श्वहलपिनाव्याधमयादयानउद्धारहमा ॥ ॥ यत्रनाकलयधकापिंहीनाहायन
व्याधमयादयानउद्धारहमा ॥ ॥ अथपिनाहामत्राप्रानत्रकाकत्रर्थंकुंहलकना
नाव्याधमहं ॥ ॥ अथयुतश्राकाहामयहिश्रीयिवरथम ॥ ॥ अहंपिनाअथ ॥
थनव्यानमस्कारमत्राका अहंनागनाकश्राहूंकाचनानमस्कारप्रनाम ॥ ॥
हामंमेदित्रमजानहं ॥ ॥ स ॥ अथव्याधमजानहमनादयास्वहमत्सायुतनका
हं ॥ हनकंमानागमश्रींकाहं हामदमनागनकहं ॥ ॥ आ ॥ अहंनागनाकाहमत्सा
ठूंकाश्राहंकंसचदमनाहामनमागनाहं ॥ ॥ अथव्याधाहनानापाशमस्त्रीया
सवदमालीदं ॥ ॥ अहंनागनाकाश्राहूंकापाशमहिमा अमाघपाशमनागनाहं दी
अं ॥ ॥ थननानत्राकासविहंसकवानाअत्र ॥ ॥ अथव्याधअमाघपाशमालीअं सत्व
स्तंभनं ॥ ॥ अमाघपाशमकथालिहमानम ॥ ॥ नाग नाम कनि ना पुमत्सा
स्लकनानव्याधमनानत्रनागयाकवलाकमाश अथानुदनंत्रोलपाशमनाअथअंक
लिहानअनं ॥ अमाघपाशमनानागस्वनकसवानव्याध ॥ स्वनथयाकुंजप
विश्रीमत्सवलात्वरस्त ॥ ॥ अथअनलोकहनुमत्थानमजानहं ॥ ॥ अवश्य ॥

नगालयासहकाल अथवदिगवनश्रल हनुमनिश्रीत्रसंत्रदवे काकर
हनुमत्र दर्शनयाय किंन प्रश्नोपनिषात्रयायमाल ॥२

थनंजयनाममालिका ॥ अभिनंदनस्वामी ॥ एतत्॥ ॥ अथ श्रीयजानी मालिका
स्तवनं प्रारभ्यते ॥ ॥ ॐ नमो अरिहंताणं ॥ ॥ थनविजयनामयक्षं ॥ ॥ अथ
श्रीयजानी मालिकास्तवनं प्रारभ्यते ॥ ॥ ॐ नमो अरिहंताणं ॥ ॥ ॐ नमो भगवओ
अथकाउत्सर्गसूत्रं ॥ ॥ अथ ॥ ॥ ॐ नमो अरिहंताणं कायोत्सर्गं करोमि ॥
करेमि ॥ ॥ अथ काउत्सर्गपारणसूत्रं ॥ ॥ ॐ नमो अरिहंताणं पारयामि ॥
॥ अथ ॥ ॥ काउत्सर्गनापत्ता ॥ ॥ अथ ज्ञान आदिहं ॥ ॥ ॐ नमो अरिहंताणं
ज्ञानकायोत्सर्गं करोमि ॥ ॥ अथ ॥ ॥ ज्ञानाचारथान ॥ ॥ ॐ नमो अरिहंताणं
लोगस्सुज्योतकरान्॥ ॥ काउत्सर्गपारिआदिहं ॥ ॥ अथ ॥ ॥ ॐ नमो अरिहंताणं
क ॥ ॥ अथ पुष्करवरदीवड्ढे सूत्रं ॥ ॥ अथ ॐ नमो अरिहंताणं ॥
ॐ नमो अरिहंताणं ॥ ॥ अथ श्रुतस्तवनं ॥ ॥ थनंविधिथ ॥ ॥ ज्ञानाराधनविसर्जनं ॥ ॥ ॐ नमो अरिहंताणं
ॐकारं ॥ ना ॥ पुना × अथ ॥ ॥ अथ नमस्कारस्तवनं ॥ ॥ पुनः ×
विधि ॥ ॥ थनसकलंचाऽत्यक ॥ ॥ ॐ ॥ नाग ज्ञानंग नो ॥ नमोनम
स्कारस्तवनं त्रयाणां पंचज्ञानयुक्तिनॐ सिद्धेभ्यः ॥ अथदीपसहितनं
स्तवनयाथकिनंसंज्ञानस्मरणयाचीनथनि ॥ ॥ थनज्ञाना ॥ ॥ ॐ नमो सिद्धाणं
ज्ञानपदाराधनार्थं कायोत्सर्गं करोमि ॥ ॐ काचनमणाकांतिप्रभाभासुरं ॥ ॥ नाग अथथन
स्तवनाज्ञानाराधनार्थं ॐ कायोत्सर्गं करोमि ॥ ज्ञानस्तवस्मरणमाराधे ॥ ॥ थनसिद्धा
स्तवनं ॥ नाविकं ॥ ॥ थनज्ञानगुणस्तवनं पुस्तकयतिपात्रस्तवनं ॥
थनदर्शनविनंस्तवन ॥ ॥ पुनाहिनंलिक ॥ ॥ अथजनज्ञानकल्याणकस्तवनं
स्यादे ॥ ॥ अथस्वस्थानमाराधे ॥ ॥ थनज्ञानगुणस्तवनं ॥ ॥ अथश्रीयजानी मे स
का ॥ अथ ज्ञानगुणस्तुतिप्रारभ्यते ॥ ॥ ॐ नमो अरिहंताणं ॥ ॥ नाग अथश्री

वानलोक॰ ॐ॰ स्वाहा॰ वालवपहिनालया॥ ॥ॐ॰ ॐनलोक॰ वालवपहिनालया॥ ॥ॐ॰ ॐनलोक॰ वालवपहिनालयाकुमानहृदय॥ ॥महामानीकापाशकुमानदीपय

ल्यो ॐ ह्रः ॥ ॥ अथ ऊर्ध्वदिक्पालकवज्रनामकी नाडिहोम ॥ ॥ कूर्म
वज्रनामवज्राकहोम ॥ ॥ अथ वज्राष्टिकं होम ॥ ॥ सित ॥ अहमहा × कूर्मा
वज्रहोमशा · लग्नवृथशूकथिया · कच्छवृहस्पति · दशमसंगलथिया
कूर्मालकूलदीपकहः ॥ कूर्मावज्रनामसूधनकूर्मावज्रहः ॥ ॥ अथ ऊर्ध्वा
कवज्रेवज्य ॥ ॥ अहऊर्ध्वदिक्ॐलामलीजः ॥ ॥ अहमहावज्रअवज्यदीजः ॥ ॥
अहमहावज्रवज्रहामस्वहावज्रावज्रः · आकुकाचनमप्रभमहः ॥ ॥ ऊर्ध्वदिक्पाली
हः ॥ ॥ अथ दिदिक्षनवज्रवज्रासनविलं ॥ ॥ अहमयीकूर्मालकूधलनस्याऽनाहः ॥
अहमहावज्रवज्रवज्य ॥ ॥ स्वायस्वनं ॥ ॥ म ॥ वाग · वाधः वा · पः ॥ ॥ सार्ववसूधन
लीनन्यासशमथा · स्किस्किरविषपूर्वालिनन्यासशमथा ॥ लाः ॥ ॥ अथ पूर्वाऽर्ध्वदिग्
वज्रोधनच ॥ ॥ अथ ऊर्ध्वदिक्वज्रवज्रालोकाच ॥ ॥ अहमहावज्रीकूर्मावज्रलीऽ ॥ ॥ अथ ऊ
र्ध्वदीऽ ॥ कूर्मावज्रवज्रालोकाच ॥ ॥ अथ दिदिक्षिहावज्रनं ॥ ॥ अथ वज्रावज्रनंपूर्वावज्रवज्र
वज्रऽदनवज्रकर्मिवज्रसूलवज्रकः ॥ ॥ अहमॅकाटऽ × कर्मिवज्रालायीस्वाहीहः ॥ ॥ अहम
वज्रवज्र · ॥ ॥ कर्मिसूत्रं ॥ ॥ काटऽ × वज्रालिकं ॥ ॥ अथ कालिगनमहावज्राकहाव
ज्रवज्रदिक्षाधिहः ॥ ॥ अथ कर्मिवज्रसूलं ॥ म ॥ वाग ॥ वज्रावि ॥ वा · पदा ॥ ॥ महा
वज्राहोकमवज्र · मशास्यवज्रवज्रक · थशाकार्य्यसिद्धयाय · मशास्यवज्रवज्रक · ॥ ग ॥ अथ वज्र
सिंघावज्रवज्रया · वानलोककार्य्ययाय · मयास्यवज्रवज्रवज्रकथशेत्रवज्रसूल ॥ ग ॥ अथ
कालिगनसूऽवज्रावज्राकहोकमवज्रवज्रवज्रकामहः ॥ ॥ अथ सूऽवज्रवज्रवज्रवज्रचत्र ॥
अथ वज्रकाटऽ × नाथलोक ॥ ॥ अथ काटऽ × हामशोधिहः ॥ ॥ अथ कालीगनवज्रवज्रवज्रवज्रा
वज्रहः ॥ ॥ अवज्रव ॥ ॥ वाग्यायथवज्रवज्रन ॥ ॥ अहवाग · कालीगनस्याधिवृक्षाहः ॥
अकाटऽ × याहिस्याऽनाः वैथवज्रहः ॥ ॥ कर्मिवज्राहः ॥ अथ कर्मियाहिशाखीहः ॥ ॥ अहः
महावाग्राजाहःकावज्रनमप्रभनाम ॥ शाम्यकजीऽ ॥ ॥ वाग ॥ ॥ अथ कालिगनहाम
वाहः सूधनकः धनवज्रवनाऽऽदः ॥ चाहीन्यायवर्द्धलीऽ ॥ ॥ अथ महाऽ × अवज्यश्रीकू
॥ ॥ अथ वज्रकंदनकः ॥ ॥ अथ वाऽऽसाऽर्थिः महावाग्राजाकाहःकमः वाग्यकूलवज्रवज्रा
योकामकर्लहः ॥ ॥ अथ वाऽऽअवज्यवज्रकर्षहः ॥ ॥ अथ वज्रकंदनः सिद्धवाग्राजाहःवज्रवज्र

पाठ

श्रीजयपुर

श्राहकंसवनश्राचाहु॥ ॥अ॥श्रसलूबकपूतश्रा[illegible]॥ ॥श्रसहनिम
त्रावश्य॥ ॥अहं×॥ ॥०॥थनलिखि·आमलूसमानाकाम॥ ॥ ॥थ
नकिंनव·नाजाउवेना॥ ॥म॥नाग·कौसि·नालवा॥ ॥श्रयलेपनवस
क्रमनामनागा·क्रमावनिनामनानी·वलनामसंखि॥ ॥ला॥ ॥श्रथत्रिय
क्रमावतीनानी·पूतीनमासना·वलनामसंखि·चित्रकानामसखि·मंदकाल
कोटशालमंदिरगानीश्रा०पूपसंच·कीनहनविश्रामकलेहु॥ ॥श्रस
प्रहासहनामाश्रवश्यविश्रामकीजे॥ ॥हि॥ ॥महिमा॥ ॥श्रसत्रिय·
ना·पूती·सं·स·का·हासनामहिमा[illegible]हनीय॥ ॥श्रसप्रहा×क
श्राहकी॥ ॥श्रथत्रियामिलोक·यहिकेलोतकिंनवलवनम·विवक
गतिनहनशाला·यकपति·क्रमनाजाहासहु॥ ॥श्रवश्यगैश्रोक्षाकी॥
ना॥श्रसप्रहा×हासनीमहिमाहनीय॥ ॥श्रथत्रिय×यथार्थकहि
हु॥॥श्रसप्रहा×श्राहकामंदिरामविवकगतिनहनशालाक्रमाजानी
नामनानीहासहु॥ ॥श्रवश्य॥ ॥मना॥श्रथत्रिया×हासनीमहिमा
हनीय॥ ॥श्रथ×[illegible]थकहिहु॥ ॥श्रथत्रिया श्राहकात्रिया
नीचश्रूंछबलनकूंनहनशाला·मनीहिमाहासहु॥ ॥श्रव
श्य॥ ॥मं॥श्रसह× हासनामहिमाहनीय॥ ॥मं×यथार्थक
हि॥ ॥श्राहकादनवानमविवगतिनहनशाला·वलनामसंखिहासहु॥ ॥श्रस
प्रहासहा×श्राहकनकंजकनामसखीहासहु॥ ॥श्रसह×हासनामहिमाहनीय॥
श्रथकाल×[illegible]थकहिय॥ ॥श्रसहा×श्राहकादनवानमविवकगतिनहनशा
लाजंरकानवनाकीहासहु॥ ॥काल×श्रवश्य॥ ॥थनलिखिनीहासखीस्नानया
हशानमत्रियाश्राकेवलोकाय॥ ॥श्रसत्रिया·हासश्रस्नानकर्त्तकूंजानहु॥ ॥
श्रथकृतीश्रवश्यी॥ ॥श्रथ[illegible]लोकहासश्रस्नानकर्त्तकूंजाणी[illegible]॥ ॥मा
ना·श्रत्रयानि॥ना·श्रवि॥ ॥नानसविकिंनवकना·नगाजमशा०·हमहासमेघन
वकूंजायि॥हासनासनाचकनस्नानकननकूंजायि·हमहासमाहकनि
मित्रेजायिसखि॥ ॥थनलिखि·याधनश्यहु॥ ॥किंनवीकंचादहनस
थन॥ ॥यावनलिखियाकहना॥श्रथत्रिया[illegible]हासहीगीनकासाथेत्रा
यीश्राहकोनू[illegible]कीजे॥ ·नाशनं॥श्र॥श्रथहसदयामश्रहन

[illegible]

नाग·क·श्री॥ सखिजायित्रियसखि·ब्रजसनतनाउम·श्रवहास
धा॥ धनकूंजायि॥श्रस्नानकननकूंजायि॥

गीतकाण्डे कासवरः

ॐ नमः कर्मकुंडाय नमः ॥ ॥ॐ ह्रीं ॐ वश्य ॥ ॥ धनप्राप्ति की ॥ ॥ॐ यक्षनला
कहाम हस्तिनापुरमहानाकपति दिनकुंडाय नमः ॥ ॥ॐ वहाम शिष्ट्राय नमः ॥
धनप्राप्ति मंत्र धन ॥ ॥ल ॥ॐ नमः प्राहुकाचनमस्तकांगप्रना
म ॥ ॥कार्पणिकनगनकामहिंद्रमनप्राप्ति कहाकमलेंहालोकप्राप्ति य
तलीक ॥ ॥धनप्राप्ति धन ॥ ॥ॐ यहालाकिंजवश्यस्वाहा ॥ ॥हालाकि
लिकोय ॥ ॥ॐ हमलाक्ष हामशाय नमः ॥ ॥ॐ वशमचक्रिय ॥ ॥ॐ हमनला
कलक्लानमशाय नमः ॥ ॥धनधनप्राप्ति पुरोहितमनकं ॥ ॥ॐ हमपुरा
हितवशीकुरु हुं ॥ ॥ॐ हमहाराजाय ॐ वश्य ॥ ॥ॐ हमपुराहित कार्पणीकन
गनकाराजा महिंद्रमनकुंडकननेकुंडाधिष्ठिताय दानाकादेवेकुंगयाय ॥ ॥
धनपुराहितं धन ॥ ॥ॐ हमहाराजाय आहुनाहुमन आहुकाघृतहधनकु
मारमहावीनहं हुंडकननेकुंडधाधिदाय ॥ ॥ॐ धनपुराहित वश्य ॥ ॥
नहं धनकुमारमनं ॥ ॥ॐ धनकुमार कार्पणिकनगनकामहिंद्रमनप्रा
प्तायहामवानलकलिनकुंडसंगमधाधिपहं चेहाधिष्ठाय ॥ ॥ॐ हमशाय ॐ हुंडकन
नाय हुं ॥ ॥धन धन ॥ ॥ॐ हिताय आहुकावी वी नमोनिधनं हामशाय न
हुं ॥ ॥मांसनाधलाक ष्ठ ॥ ॥ॐ हमाशाधिनाकाहाकम होमनंगमशाय हुं ॥
हमाशामनाहुवाका चुताग्निय ॥ महविन ॥ ॥ॐ पुरुष ॐ हुं ॥ ॥धनकुमा
रनमनाहुनायामहुशानंमहं सां चतुरंगबलशानांगमशानं ॥ म ॥ मोन
वशानि मा चा ॥ ॥पीताय वचनकुनाशनंगमनियानशानं चतुरंगव
लशानाशनमात्रथनि ॥ शत्रुयानहननयानाथशाग्निमयहयाशाय ॥ ॥ल
॥ॐ यधनवज्रमन्त्रिहननमुखाय मन्यलाकधिनाकाहाकम हंकुंकलय
हुंगायिवनिय ॥ ॥ॐ यशाशकुमार विजुक्लिक ॥ ॥धनवान ॥ ॥ॐ यप्रिया
त्रिलोकयहिंगलप्रियेहं चेहाधिष्ठीनविग्रमकलय हुं ॥ ॥ॐ हमानवि
ग्रमक्लिकीरु ॥ ॥धनवैभवन दवी ॥ ॥ल ॥ॐ हंदवीवानकामात्री महा
लक्ष्मीयुक्तायोंनमशगक्षावः ॥ ॥ॐ हंकुलपालेः गक्षावः ॥ ॥धनकुमा
रनाधशाय ॥ ॐकुमारेम ॥ ॥ॐ हंदवदवीॐकाप्रनामः ॥ ॥दवी
म ॥ ॥ॐ यकुमारत्वेकुलगक्षिः ॥ कु ॥ॐ हंदवीमहिंद्रमनकाशाकं
मकुंडकननेकुंधायाहं ॥ द ॥ॐ हंकुमारॐ हंवलेंदाधाकिजासानसाधय ॥
ॐ हंदवीॐवश्य ॥ द ॥ॐ यधोंचिकयक्षशाजपुतस्यवलेंलेंगक्षि ॥ ध ॥
ॐ हंदवीॐवश्य ॥ ॥धनकुमारशाने ॥ यक्षसंकिन ॥ल ॥ ॐ यं मं भ्रं यं

मे॰ संभवनाथ चैत्य॥ ॥ॐ ह्रीं श्रीं अवध्यधिष्ठिक यक्षेभ्यो नमः॥ ॥ॐ ह्रीं श्रीं अर्हद्भ

दासादनवीजमंत्रसफलत्वलत्वया॥ ॥अवकेशहोमः॥ ॥मूलपत्रिकाकवचम्॥ ॥मं॥ल्
वत्व॥ ॥वनपत्रिकाकाक॥ ॥हा॥अथकनलोक·स्वप्नपत्रिका·भूतहोम॥अवकलकवम
ह॥ ॥वनाराजाथस्त्रीम॥ ॥अहंमहाम्वनाकपत्रिकाभूतनहि हाम·श्राहुकाज्रा
नसंकष्टहाम·दाज्रोश्राहुकानलकषलापहाम्ह॥ ॥अथपृथ्वीहिनयक्कासोत्रिक
हिदमी॥ ॥पृ॥अहंमहा×श्राहुकाऽज्ञानमनराऽवनी॰ वालस्त्रीमकावकपूलायि
हीक॥यःनराऽम·पुकवदपादशानश्लोकनगरीक॥अवश्राहुनश्लोनकलिह॥
दासश्राकिंनरीकंन्याकावासाल्या॰ धूपसा॰ दनाह॥हामगनिदनाह॥साक्हाम
वनराजाधाल॥ ॥अहंपृथ्वीहिनवपत्राविधिमिलदह·अवकिंनरकन्याकहिंमिसम
ह॥ ॥अहंमहा×यथाइश्लहःनभस्तल्यह·किंनरीकन्यावहीह॥ ॥अहंपृ×कनशोद
वावनकाहिंहाम॥ ॥महा×श्राहुकाइत्रिसाह·मनाहरा·किंनरीसच हाम॥
त्रा॥अथपृथ्वीहिनहनकोनवानकहीह॥हामत्राघृतकाम्त्रियात्रिलयामनाहरा
ह॥ ॥अहंमहा×हामकहिंथश्राहुसतीथ॥ ॥मित्र॥ ॥लाऊंदकुलस्वा
र्थअसत्यास्वार्थकुलत्वऊंम्त्रमऊनपदस्यास्वार्थस्यात्मास्वार्थपृथिवीत्वऊंन्॥ ॥पृकं
पूर्वकात्रिमिलि·कुलषलायनहिदनाह·कलनऊंकवन·पृकंपूर्वषऊंत्रि
दिनाह॥श्राहुकानऊंहोम॥ ॥पृत्राहिनश्रवेस्व॥ ॥थनप्रऊंसने॥ ॥
अथकोटश्रायीह॥अवस्व॥ ॥कोट×प्रऊंवोलाऊंल्यायीह॥ ॥अवश्व
प्रऊंवोलनेकंशानह॥ ॥अथप्रऊंसोऊंमहु×ऊंनदिशाऊंह॥ ॥प्र
ऊंवोल॥ ॥महाराऊं×दनवोलनऊं·श्र॥ कोश्हामश्रायीह॥
मह×दनवोलनयीह॥ ॥का॥ ॥अहंमाहानाऊंप्रऊंवोलाधिल्यायो
ह॥ ॥कानऊंमलश्रवश्यहिश्राधिह॥ ॥प्र॥श्राहुकाचुनमऊंलाऊंगप्रनाम
श्रोम्यकीऊं॥ ॥ना॥अथप्रऊंसोकऽज्ञानमनराऽवनाधिना॥ ॥अवस्व॥ ॥
ऽज्ञानेक्षा॥ ॥अथस्त्रानथीमहाराऊंकाहोकमऽज्ञानऊंनाह॥ ॥अवस्व॥ ॥
पृष्ठकृत्य॥ ॥अथस्त्रानथी·नराऽवनाधिह॥ ॥अवश्व॥ ॥पृष्ठसिऽज्ञान॥ऊंनाऊंमा
दन॥ ॥महाराऊंनासिऽहस्यांहामऊंनाह॥ ॥प्रनालोकविलऊंनाह्यीऊं॥ ॥अवस्व
दीऊं॥ ॥सिक्षा॥ ॥थनश्रीवाक्कायाचवानाकायलक्षा॥ ॥कानऊंमलंकोमक्कायऽर्थं
थनचवाधिका॥ ॥म॥ अथ स्त्रा हा ग्री पत्रऊंनानऊंवनवनहिलाहलश्राहानया
नाहलवनहदगधावाऊंगनऊंनगनवाऽकऊंगनऊंनपह॥ ऽ॥कऊंनाहनधीत्रनु
यवानलाकमिस्वाकं·वनवनक्रियाऊंश्रानन्दतेजोनाथनि॥ ॥अथऽ॥ऊंनाऽन्द
श्राहानवऊंगनऊंनाह॥ ॥अवश्य॥ ॥चवाथनत्थ॥ ॥वाऽमधिका॥ ॥

॥ ॥ ॥

2546